भारत सरकार

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 2920

22.03.2021 को उत्तर के लिए

अंशुपा झील का संरक्षण

2920. श्री अश्वनी वैष्णव :

क्या **पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) सरकार ने कटक जिले में स्थित अंशुपा झील, जो देश में मीठे पानी की सबसे बड़ी झीलों में से एक, के संरक्षण के लिए क्या-क्या कदम उठाए हैं;

(ख) अंशुपा झील के संरक्षण के लिए कितनी निधि का और किन-किन शीर्षों के अंतर्गत आवंटन किया गया है; और

(ग) इस निधि का उपयोग किस प्रकार किया जा रहा है और अब तक इसके क्या परिणाम रहे हैं?

उत्तर

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री
(श्री बाबुल सुप्रियो)

(क) पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (एमओईएफएण्डसीसी), देश में नमभूमियों जिसमें ओडिशा की अंशुपा, मीठे पानी की सबसे बड़ी झील भी शामिल है, के संरक्षण और प्रबंधन के लिए एक केन्द्रीय प्रायोजित स्कीम अर्थात् राष्ट्रीय जलीय पारिस्थितिकीय तंत्र संरक्षण योजना (एनपीसीए) को कार्यान्वित कर रहा है। इस स्कीम में विभिन्न कार्यकलाप जैसे अपशिष्ट जल का अंतरावरोधन, विपथन और शोधन, तटीय क्षेत्र संरक्षण, झील के अग्रभाग का विकास, स्वस्थाने सफाई अर्थात् गाद निकालना और खरपतवार को दूर करना, चक्रवात जल प्रबंधन, जैव उपचार, जल ग्रहण क्षेत्र शोधन, झील सौंदर्यीकरण, सर्वेक्षण और सीमांकन, जैविक-बाड़ लगाना, मत्स्य विकास, खरपतवार नियंत्रण, जैव विविधता संरक्षण, शिक्षा और जागरूकता पैदा करना, जन भागीदारी आदि शामिल हैं। नमभूमि (संरक्षण और प्रबंधन) नियम, 2017 के तहत नमभूमियों की पहचान करने और उन्हें अधिसूचित करने के संबंध में राज्य नमभूमि प्राधिकरण को शक्तियां प्रत्यायोजित की गई हैं।

(ख) 'पूंजीगत सम्पदा' के सृजन के लिए सहायता अनुदान बजट शीर्ष के तहत अंशुपा झील के संरक्षण और प्रबंधन के लिए ओडिशा राज्य सरकार को वर्ष 2008-09 से वर्ष 2019-20 तक की अवधि के दौरान 4.1174 करोड़ रुपए की धनराशि स्वीकृत और जारी की गई।

(ग) ओडिशा राज्य सरकार द्वारा प्रस्तुत किए गए उपयोग प्रमाणपत्र और प्रगति रिपोर्ट के अनुसार, दहिया तटबंध के पास से गाद निकालने, खरपतवार के प्रबंधन, जैव-विविधता सूची और संरक्षण, जागरूकता कार्यक्रम, अंशुपा झील पर ईको-पार्कों के विकास और प्रबंधन तथा जलीय जैविक मापदंडों की निगरानी करने सहित विभिन्न परियोजना कार्यकलापों को पूरा करने के लिए संपूर्ण धनराशि का उपयोग किया गया है।

*****